वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वानिकी अनुसंधान एवं प्रसार केंद्र, पटना

कृषि कुंभ, मोतिहारी में दिनांक 09 से 11 फरवरी, 2019 में भागीदारी एवं कृषि वानिकी पद्धतियों का प्रदर्शन

गाँधी मैदान, मोतिहारी में दिनांक 09 से 11 फरवरी, 2019 के मध्य कृषि कुम्भ का आयोजन किया गया जिसमें, मुख्यालय के आदेश पर वन उत्पादकता संस्थान रांची ने अपने पटना स्थित वानिकी अनुसन्धान एवं प्रसार केंद्र के माध्यम से सक्रिय भाग लिया । इस कुंभ में कृषि वानिकी के विभिन्न पद्धतियों का चित्र प्रदर्शनी द्वारा प्रदर्शन किया गया, जिसमें पॉप्लर, मीलिया एवं शीशम आधारित कृषि वानिकी प्रमुख थी । चित्रों द्वारा जदुआ हाजीपुर में स्थित bamboo common facility centre में पद्धतियां संस्थापित यंत्रों का एवं इसके उपयोग की विधियों को विस्तृत रूप से दर्शाया गया । बिहार में विभिन्न स्थानों पर लगाये गए पॉप्लर, मीलिया, विल्लो, अलमस, फ्लेमिन्जिया इत्यादि प्रजाति के पौधों के वृद्धि एवं उपयोग को भी चित्रों द्वारा प्रदर्शित किया गया । किसानों की सुविधा के लिए इन प्रजातियों के पौधे भी स्टाल पर रखे गये एवं इच्छुक किसानों को न्यूनतम दरों पर उपलब्ध कराया गया । बांस के नौ प्रजातियों के पौधे किसानों को प्रदर्शित किये गए एवं इच्छुक किसानों को न्यूनतम दरों पर उपलब्ध कराये गए जिनमें हाथी बांस, पीला बांस, काला बांस, टूलडा, नूतन, लाठी बांस इत्यादि प्रमुख थे । वन उत्पादकता संस्थान के स्टाल पर प्रदर्शित रुद्राक्ष के पौधों ने भी किसानों को बहुत आकृष्ट किया जिसे न्यूनतम दरों पर उपलब्ध कराया गया । स्टाल के माध्यम से किसानों को झाऊ (Casuraina) आधारित कृषि वानिकी के बारे में भी जानकारी दी गयी । संस्थान के वैज्ञानिक एवं वानिकी अनुसन्धान एवं प्रसार केंद्र, पटना के पदाधिकारी श्री आदित्य कुमार एवँ उनके दल द्वारा किसानों को कृषि वानिकी के लाभ, प्रदर्शित वृक्ष प्रजातियों के द्वारा होने वाले लाभ, खेतों में इनकी रोपण विधि एवं रखरखाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

संस्थान के प्रदर्शनी को देखने हजारों की संख्या में किसान, छात्र, वैज्ञानिक, महिलाएं आये जिनमें से 400 किसानों को बांस की नर्सरी उगाने की तकनीक, लाह उत्पादन की वैज्ञानिक विधि एवं किसान नर्सरी में उगाये जाने वाले पौधों के उगाने की तकनिकी पर पुस्तक निःशुल्क उपलब्ध करायी गयी । इसके अलावा औषधीय पौधों, सुगन्धित तेल वाले पौधों इत्यादि को लगाने की वैज्ञानिक विधि पर आधारित पम्फ्लेट्स तथा अन्य पठन सामग्री उपलब्ध करायी गयी ।

इस कृषि कुम्भ में किसानों को कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह जी, बिहार के राज्यपाल माननीय लालजी टंडन जी, बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी जी, माननीय श्री नितिन गडकरी जी तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा संबोधित किया गया ।

इस त्रिदिवसीय कृषि कुम्भ में वन उत्पादकता संस्थान , रांची की ओर से वानिकी अनुसंधान एवँ प्रसार केंद्र , पटना के प्रभारी अधिकारी , श्री आदित्य कुमार, वैज्ञानिक - डी, श्री संजीव कुमार, वरिष्ठ तकनिकी सहायक, श्री कपिल सैनी, परियोजना तकनीकी अधिकारी एवं श्री वासुदेव महतो, परियोजना तकनीकी अधिकारी ने भी अपना योगदान दिया एवं संस्थान द्वारा किये जा रहे अनुसन्धान एवं प्रसार कार्यों की विस्तृत जानकारी किसानों एवं कुम्भ में आये अन्य लोगों को प्रदान की ।

संस्थान के कर्मियों द्वारा किसानों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित विषयों के बारे में समझाते हुए

संस्थान के स्टाल पर आये हुए किसान एवं अन्य गणमान्य

कृषि कुम्भ में माननीय कृषि मंत्री, भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी एवं अन्य गणमान्य

कृषि कुम्भ में आये किसान एवं महिलाएं

में वानिकी अनुसंधान केन्द्र पर किसानों को जानकारी देते वैज्ञानिक।

किसानों में बांटे गए बांस व रुद्राक्ष के पौधे

मोतिहारी। कृषि कुंभ में लगे वानिकी अनुसंधान व प्रसार केन्द्र पटना के स्टॉल पर किसानों को कृषि वानिकी के संबंध में जानकारी दी गयी। इस अवसर पर करीब 700 किसानों के बीच विभिन्न प्रजाति के पौधों का वितरण किया गया। केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक आदित्य कुमार ने बताया कि बांस के नौ प्रजाति के पौधे यहां लाये गये थे। इसमें नूतन,काला,पीला आदि प्रजाति के बम्बू शामिल थे। ये व्यवसायिक रुप से किसानों के काम आते हैं। इसके अलावा जंगल नीम,कदम,रुद्राक्ष आदि के पौधे स्टॉल पर थे। वहीं अगरबत्ती बनाने की मशीन भी किसानों ने देखा। हिसं

प्रिंट मीडिया में संस्थान द्वारा लगाया गया स्टाल